भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4178
दिनांक 20 दिसम्बर, 2024 को उत्तर देने के लिए

किशोरियों के लिए स्कीम

4178. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:

क्या **महिला एवं बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कर्नाटक में किशोरियों के लिए स्कीम (एसएजी) के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या और उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने एसएजी योजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण और सहायता हेतु स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या बढ़ाने के लिए कोई प्रस्ताव तैयार किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) इन केंद्रों में कितने आंगनवाड़ी केंद्रों को डिजीटल रूप से सशक्त किया गया है और पोषण वाटिकाएं स्थापित की जा रही है और उक्त राज्य में उक्त योजना के अंतर्गत प्रदान किए गए फोर्टिफाइड चावल और बाजरा का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने उक्त राज्य में महिलाओं और बच्चों के लिए योजना का विस्तार करने हेतु कोई ''पोषण प्रावधान'' किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (घ) 15वें वित्त आयोग में, 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं तथा किशोरियों के लिए पोषण सहायता के घटकों; प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (3-6 वर्ष) एवं आधुनिक, उन्नत सक्षम आंगनवाड़ी सहित

आंगनवाड़ी बुनियादी ढांचे को योजना के प्रभावी कार्यान्वयन और अंतिम लाभार्थियों को बेहतर पोषण प्रदायगी के लिए मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के तहत पुनर्गठित किया गया है।

मिशन पोषण 2.0 के तहत किशोरियों (एसएजी) के लिए योजना का उद्देश्य किशोरियों (एजी) [14-18 वर्ष] को उनके स्वास्थ्य और पोषण संबंधी स्थिति में सुधार के लिए पोषण संबंधी सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत दो मुख्य घटक हैं। पोषण घटक के अंतर्गत 14-18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को वर्ष में 300 दिनों के लिए 600 कैलोरी, 18-20 ग्राम प्रोटीन एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों से युक्त पूरक पोषण प्रदान किया जाता है। गैर-पोषण घटक आईएफए अनुपूरण, स्वास्थ्य जांच और रेफरल सेवाएं, पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा, कौशल विकास आदि के लिए विभिन्न मंत्रालयों के साथ अभिसरण पर आधारित है।

कर्नाटक राज्य में, दिनांक 15.12.2024 तक पोषण ट्रैकर पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, किशोरियों के लिए योजना के अंतर्गत कुल 66,331 किशोरियाँ पंजीकृत हैं। पंजीकृत लाभार्थियों को आंगनवाड़ी केंद्रों पर पूरक पोषण प्रदान किया जाता है।

योजना के अंतर्गत पूरक पोषण एक कैलेंडर वर्ष में न्यूनतम 300 दिनों के लिए अर्थात् औसतन एक माह में 25 दिनों के लिए पका हुआ गर्म भोजन (एचसीएम) और घर ले जाने के लिए राशन (टीएचआर - कच्चा राशन नहीं) के रूप में दिया जाता है।

इस योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने तथा एनीमिया के प्रबंधन के लिए विभिन्न श्रेणियों के लाभार्थियों को दिए जाने वाले भोजन में स्थानीय आहार सामग्री और ताजा उपज (हरी सब्जियां, फल, औषधीय पौधे और जड़ी-बूटियां), फोर्टिफाइड चावल और मिलेट्स, मेवे और मूंगफली तथा तिल के बीज जैसे तिलहन को सक्रिय रूप से शामिल किया जाता है। घर ले जाने के लिए राशन (कच्चा राशन नहीं) और पका हुआ गर्म भोजन (एचसीएम) के लिए खाद्य सामग्री राज्यों के लिए विशिष्ट हैं और इसमें स्थानीय रूप से उगाए गए/उपलब्ध पौष्टिक फल और सब्जियां शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान किशोरियों के लिए योजना (एसएजी) के अंतर्गत कर्नाटक राज्य को कुल 35.19 मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल आवंटित किया गया है।

मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों (एडब्ल्यूडब्ल्यू) को पोषण ट्रैकर ऐप के माध्यम से कुशल निगरानी और सेवा प्रदायगी के लिए स्मार्टफोन के प्रावधान के साथ तकनीकी रूप से सशक्त बनाया गया है। यह ऑनलाइन प्रणाली आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले भौतिक रजिस्टरों को डिजिटल बनाती है। इससे

उनके काम की गुणवत्ता में सुधार होता है और साथ ही उन्हें आंगनवाड़ी में होने वाले सभी कार्यकलापों की निगरानी के लिए अधिक समय मिलता है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के अलावा पर्यवेक्षकों और ब्लॉक समन्वयकों को भी स्मार्टफोन उपलब्ध कराए गए हैं। इसी तरह आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों, पर्यवेक्षकों और ब्लॉक समन्वयकों को डेटा रिचार्ज सहायता भी प्रदान की गई है। मंत्रालय ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 4जी/5जी सपोर्ट वाले 'उच्च गुणवत्ता वाले डिवाइस/स्मार्टफोन' खरीदने की सलाह दी है, कर्नाटक राज्य सरकार ने 72,049 स्मार्टफोन खरीदे हैं।

कुपोषित बच्चों की पहचान करने और समय पर कार्यकलाप करने के लिए विकास मापदंडों की नियमित निगरानी आवश्यक है इसलिए आंगनवाड़ी केंद्रों को इन्फैंटोमीटर, स्टेडियोमीटर, शिशु का वजन मापने वाला पैमाना, माता और बच्चे का वजन मापने वाला पैमाना जैसे विकास निगरानी उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। वर्तमान तक कर्नाटक द्वारा 65,911 जीएमडी खरीदे गए हैं।

15वें वित्त आयोग की अवधि के दौरान प्रति वर्ष 40,000 आंगनवाड़ी केंद्रों की दर से 2 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) को बेहतर पोषण प्रदायगी और मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के तहत प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और विकास के लिए सक्षम आंगनवाड़ी के रूप में उन्नत किया जाना है। सक्षम आंगनवाड़ियों को पारंपरिक आंगनवाडी केंद्रों की तुलना में बेहतर बुनियादी ढांचे से सुसज्जित किया गया है जिसमें एलईडी स्क्रीन, वाटर प्यूरीफायर/आरओ मशीन को लगाना, पोषण वाटिका, ईसीसीई और बाला पेंटिंग्स उपलब्ध कराई गई हैं। आज तक, देश भर में सक्षम आंगनवाड़ी केन्द्रों के रूप में उन्नयन के लिए अनुमोदित कुल 1,70,337 आंगनवाड़ी केन्द्र हैं, जिनमें से 17,732 आंगनवाड़ी केन्द्र कर्नाटक राज्य के हैं।

****